आलोचना

त्रैमासिक

2005

सहस्राब्दी अंक उन्नीस-बीस

अक्टूबर-दिसम्बर 2004—जनवरी-मार्च 2005

प्रधान सम्पादक

नामवर सिंह

SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
Nos. 19-20 (Oct-Dec 2004 - Jan-Mar 2005)
TOC Provided by Center for Research Libraries

सम्पादक

परमानन्द श्रीवास्तव

सहसम्पादक

आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक

हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक

अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

संपादकीय : आलोचना का उत्तर-समय 7

सृजन-परिदृश्य : एक

लम्बी कविता : हर इबारत में रहा बाक़ी : **देवीप्रसाद मिश्र** 9

जन्मशती पर विशेष

राष्ट्रीय काव्यधारा और सुभद्रा कुमारी चौहान : **नीलाभ** 26

आलोचना का उत्तर-समय : संवाद

कालजयी साहित्य के बारे में : कुछ नोट्स : **विजय कुमार** 33
छठा दशक : एक सिंहावलोकन : **फ्रेडरिक जेमसन** 38
आलोचना का स्वधर्म : **नंदकिशोर नवल** 60
उपनिवेशितों का काव्यशास्त्र : **विनोद शाही** 65
साहित्य में देशीयता : **भालचन्द्र नेमाड़े** 73
मार्क्सवादी साहित्यालोचन के कुछ प्रमुख बिन्दु : **टेरी ईगलटन** 82

***सृजन-परिदृश्य* : दो**

रवीन्द्र भारती की दो कविताएँ 98
टप्पा और पाकिस्तान : **यतीन्द्र मिश्र** 100

स्मरण : एक

अरुण कोलटकर की कविताएँ : टिप्पणी और अनुवाद : **निशिकान्त ठकार** 102

स्मरण : दो

चेस्लाव मीलोष की कविताएँ : टिप्पणी व अनुवाद : **हरिमोहन शर्मा** 106

अर्द्धशती : मैला आँचल

मेरी-मार्टिन, मैलेरिया और डागडर बाबू : **सकलदेव शर्मा** 111

आलोचना : परिदृश्य

साहित्य का अभिलेख के रूप में पाठ : **भगवान सिंह** 120
इतिहास में दलित महिला-विमर्श : **मोहनदास नैमिशराय** 133
कविता का सौन्दर्यशास्त्र और निराला का उत्तरकाव्य : **राजेन्द्र गौतम** 144
मॉरीशस का हिन्दी उपन्यास : **रोहिणी अग्रवाल** 158
स्त्री-लेखन और समय के सरोकार : **हेमलता माहेश्वर** 175
हिन्दी आलोचना : काल-वस्तु या इतिहास-वस्तु : **रमेश दवे** 182
अनुवाद : सांस्कृतिक और भाषिक विविधता की अनुभूति : **परिमळा अम्बेकर** 189
श्रीकांत वर्मा का विचार-लोक : **जयप्रकाश** 194
अमूर्त कालजयता या कालजयी प्रासंगिकता : एक मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य : **पी.एन. सिंह** 198

मूल्यांकन-परिदृश्य

मकई का दाना : **अरुण कमल** 206
दुनिया भर की खाक-धूल समेटती कविता : **ओम निश्चल** 212
कहनी उपखान : एक पत्र : **अरविन्द जैन** 219
जातीय लोकमानस की संघर्षशीलता और प्रतिरोध-शक्ति का आख्यान : **शम्भु गुप्त** 228
विस्मृत कवियों की भूमिका और भारतेन्दु का काव्य-समय : **भवदेव पाण्डेय** 238
आज की हिन्दी कविता—तमाम विपर्ययों के बावजूद... : **अनिल त्रिपाठी** 243
कविता में स्त्री : स्त्री होने का संकट : **परमानन्द श्रीवास्तव** 252